

एक जैस द्वितीय का जीवन परिचय लिखें।
उत्तर - 1685 ई में चार्ल्स द्वितीय की मृत्यु के बाद अपनी कोई वैध संतान नहीं होने के कारण उसने अपने भाई जैस को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया जा कर वर्ष 1685 ई में जैस सरलता से इंग्लैंड की राजाद्वी पर आसीन हुआ। यद्यपि 1688 ई में जैस द्वितीय को राज्याधिकार से हटा करने का प्रयत्न किया गया था किन्तु 1685 ई में जब वह राजा बना, उसका स्वागत किया गया तथा इंग्लैंड की जनता ने राजा की परियोजना जैस द्वितीय ने सिंहासन उठे होते ही संसद का अधिवेशन आमंत्रित किया इस संसद में अधिकांश सदस्य दोरीट्स के थे जो राजा के देवी अधिकारों के साथ अन्य अधिकारों का समर्थन करते थे। राजा ने अपेक्षा करते थे कि वह कारण-निर्णय और अधिवेशन में संसद की मदद देगा एवं अपनी मृत्यु एवं वैदेशिक नीति में एग्लिकन चर्च का ध्यान रखेगा। इस संसद ने जैस के व्यक्तिगत तथा के लिए पचास पन्द्रह सौ पौंड की भी चार्ल्स द्वितीय अपना अन्य सुन्दर शासकों को आवंटित पन्द्रह सौ की अधिक भी जैस को संसद ने उत्तरी कम लागत का भी अधिकार दे दिया। इस प्रकार जैस दोरीट्स के साथ सदस्यवाद तथा एग्लिकन चर्च का ध्यान रखकर अपनी सरलतापूर्वक शासन कर सका था, किन्तु जैस ऐसा कर सकने में सफल न हो सके।

जैस द्वितीय अपने भाई चार्ल्स द्वितीय के समान योग्य एवं दूरदर्शी नहीं था। चार्ल्स द्वितीय ने अपने भाई की प्रकृति न करने की अद्वैत क्षमता भी यद्यपि चार्ल्स द्वितीय की निरंकुशतापूर्वक राजाकार चार्ल्स द्वितीय पर जब उसे अपना खाल प्रकट होते लीला होता वह तुरंत उसका उत्तरदायित्व अपने मंत्रियों पर डाल देता था जैस ने महसूस नहीं था। अब जहाँ चार्ल्स 25 वर्षों तक सरलतापूर्वक शासन किया जैस को मात्र वर्ष पश्चात् ही इंग्लैंड को छोड़कर जागने के लिए विवश होना पड़ा यद्यपि जैस द्वितीय चार्ल्स द्वितीय की शासन-काल में इसके तथा सेनापति सह युद्ध था किन्तु वीर एवं साहसी होते हुए भी उसने राजनीति दूरदर्शिता एवं समर्थ के अनुकूल कार्य करने की क्षमता नहीं थी। चार्ल्स द्वितीय ने ही जैस के विषय में कहा था "जब मेरी मृत्यु हो जाएगी और मैं भी वद्वेगा तब मैं भी जानूँगा मेरा भाई क्या करेगा? जब वह राजा बनेगा तो मुझे यम है कि उसे सुदूर भाग्य पर जाने के लिए विवश न कर दिया जाए।"

समाप्त